भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4869
उत्तर देने की तारीख 23 मार्च, 2026
2 चैत्र, 1948 (शक)

तमिलनाडु में परंपरागत खेलों का संवर्धन

4869. श्री जी. सेल्वम :
श्री सी. एन. अन्नादुरई:
श्री नवसकनी के.:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने खेलो इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत तमिलनाडु के सिलंबम, सादुगुडू और वल्लम काली जैसे पारंपरिक ग्रामीण और जनजातीय खेलों के संवर्धन के लिए इन खेलों की पहचान की है और उनका दस्तावेजीकरण किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या तमिलनाडु के विशेषकर जनजातीय और दूर-दराज के जिलों में ग्रामीण और जनजातीय युवाओं को खेलो इंडिया प्रतिभा पहचान और प्रशिक्षण संबंधी मार्गदर्शन में शामिल करने के लिए कोई विशिष्ट पहल की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने खेलो इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत जिला, राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर स्वदेशी खेलों के संरक्षण और विकास के लिए तमिलनाडु में शैक्षणिक संस्थानों, स्थानीय खेल निकायों और सामुदायिक संगठनों के साथ सहयोग किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या तमिलनाडु के खेलों को खेलो इंडिया स्पर्धाओं अथवा प्रदर्शन श्रेणियों में शामिल किया गया है अथवा शामिल किए जाने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) से (घ): 'खेल' राज्य का विषय होने के कारण पारंपरिक ग्रामीण और जनजातीय खेलों को बढ़ावा देने सहित खेलों के विकास का उत्तरदायित्व मुख्य रूप से राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों का होता है। केन्द्र सरकार महत्वपूर्ण कमियों को दूर करके उनके प्रयासों में सहायता करती है। तथापि, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय खेलो इंडिया स्कीम के तहत "ग्रामीण/ देशज

और जनजातीय खेलों का संवर्धन" नामक उप-घटक के माध्यम से देशज, ग्रामीण और जनजातीय खेलों को बढ़ावा दे रहा है। इस उप-घटक के तहत, पारंपरिक खेल विधाओं की पहचान की जाती है और उनके पुनरुत्थान, संरक्षण और इनमें व्यापक भागीदारी के लिए सहायता प्रदान की जाती है। तमिलनाडु की एक पारंपरिक मार्शल आर्ट सिलंबम को मल्लखंब, क्लारिपयाट्टू, योगासन, गतका और थांग-ता जैसी खेल विधाओं के साथ ही सहायता प्रदत्त देशज खेलों में से एक के रूप में मान्यता दी गई है। राज्य सरकारों, शैक्षिक संस्थानों, स्थानीय खेल निकायों और सामुदायिक संगठनों को प्रतियोगिताओं के संचालन, प्रशिक्षण, जागरूकता कार्यकलापों और देशज खेलों से संबंधित अन्य संवर्धनात्मक प्रयासों के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाती है।

खेलो इंडिया स्कीम के माध्यम से, जिला स्तर पर प्रशिक्षण को सुदृढ़ करने के लिए तमिलनाडु में 39 खेलो इंडिया केंद्रों (केआईसी) सहित 36 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में कुल 1066 केआईसी अधिसूचित किए गए हैं। इनमें पारंपरिक प्रतिभा को पोषित करने के लिए विल्लुपुरम जिले में विशेष रूप से मलखंब के लिए एक केआईसी शामिल है, जिसमें 63 एथलीटों को प्रशिक्षण दिया जाता है । दूरस्थ प्रतिभाओं की गुणवत्तापूर्ण कोचिंग तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए देशभर में 174 प्राथमिकता वाले जनजातीय जिलों में 258 केआईसी स्थापित किए गए हैं ।

खेलो इंडिया और फिट इंडिया के तहत राष्ट्रीय मंचों के माध्यम से पारंपरिक खेलों को भी बढ़ावा दिया जाता है। इस संदर्भ में, तमिलनाडु में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023 के दौरान सिलंबम को एक प्रदर्शन श्रेणी खेल के रूप में शामिल किया गया था। भारत की पारंपरिक खेल विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के उद्देश्य से समय-समय पर खेलो इंडिया आयोजनों में प्रदर्शन श्रेणी या प्रतिस्पर्धी प्रारूपों में देशज खेलों को शामिल करने पर विचार किया जाता है।

******